RAJASTHAN
The Incredible State of India !

FICCI

Webinar on

Future of Tourism

Revitalizing Tourism for Sustainable Development

27 September 2020

World Tourism Day 2020

MEDIA COVERAGE

First India

FICCI, Tourism Dept's webinar on Tourism

First India Bureau

Jaipur: FICCI in association with Tourism Dept, organised a webinar on 'Future of Tourism' with the theme 'Revitalising Tourism for Sustainable Growth' amid the ongoing Covid-19 scare. Additional Director (Tourism), Sanjay Pande assured the tourism industry of the govt support for revival. He said that the govt had initiated special tourism zones keeping track of changing tourist preferences. He cited new tourism projects worth Rs 500 crore approved by the govt post lockdown proving govt's pro- activeness for the sector.

Former RTDC chairman Rajiv Arora said "Tourism business is still on its knees with many cities still under lockdown." The webinar was also addressed by HRH Group Executive Director Lakshyaraj Singh, Founder of Neemrana Hotel Aman Nath, Sabina Chopra of Yatra online, MD Trance Hotels Veer Vijay Singh, Director UNESCO Eric Falt and FICCI co chairman Randhir Vikram Singh.

Times of India

'57 hotel units given nod after lockdown, to bring in about ₹500cr investments'

Jaipur: An empowered committee under chief secretary and an advisory committee under the chief minister have been formed to address the issues of tourism, said a senior tourism department official while addressing a gathering on World Tourism Day.

Speaking at a webinar organised by the department of tourism and FICCI-Rajasthan, Sanjay Pandey, deputy director, tourism, said that since April 1, the department has given approval to 57 new tourism projects which will need investments of about Rs 500 crore. "The new projects would add over 2,200 new rooms to the inventory of hotel industry in the state and the projects are expected to be functional in three-four years," Pandey said at the webinar. He said after lockdown, nine approvals have been given for film shootings in state.

Speaking on the pandemic and its impact, he said while the industry has suffered, there are many positives.

"Like after the Mumbai terror attack on Hotel Taj, most hotels tightened their security after the pandemic, the standard of hygiene has improved in the hotels of lower classification also," Pandey added. TNN

Rajasthan Patrika

'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म' पर वेबिनार आयोजित

जयपुर. विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने बताया कि लॉकडाउन के बाद हमने हमने 50 नए पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है।

Dainik Navjyoti

पर्यटन के विकास के लिए सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

ब्यूरो,नवज्योति/जयपुर। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है।इसी के अंतर्गत, विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक, संजय पांडे ने बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उघोग के समर्थन में रही है।हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए कृत संकल्प है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। लॉकडाउन के पश्चात हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टेन्सिंग समय की आवश्यकता है।

TOURISM - DAY

फिक्की और पर्यटन विभाग की ओर से 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज्म' पर वेबिनार का आयोजन

पर्यटन विकास को राज्य सरकार कृत संकल्पः संजय पांडे

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाइटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुए बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरुआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरुआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है।

पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधि [illegible]ोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन राजीव अरोड़ा ने बताया कि अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के इजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टेन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब बदलते समय में पर्यटन के लेकर लोगों की प्राथमिकताएं भी बदल गयी है। अब लोग वेलनेस को प्राथमिकता देने के साथ भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर वहां जाना पसंद कर रहे है जहां वे स्थानीय भोजन और संस्कृति का आनंद ले सके। उन्होंने भविष्य के प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख कारकों -सुरक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई, ब्रांड वैल्यू और वैल्यू फॉर मनी पर जोर देने का आह्वान किया जिससे अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औघोगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा।

फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चैयरमैन और मंडावा होटल्स के सीएमडी, रणधीर विक्रम सिंह ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, इस महामारी के कारण पर्यटन उद्योग के लिए रिकवरी की राह धीमी और लंबी है। उद्योग को अपने पुनरुद्धार के लिए दो रणनीतियां बनानी चाहिए, पहली लघु अवधि की रणनीति जिसमें घरेलू पर्यटन को पुनर्जीवित करना शामिल होगा और दूसरी मध्यम अवधि की रणनीति जिसमें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन संबंधि क्षेत्र शामिल होंगे।

Dainik Adhikar

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

जयपुर (एजेंसी)। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक, संजय पांडे ने बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उघोग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औघोगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। पर्यटन उघोग अन्य क्षेत्रों पर निर्भर उघोग है, यह रेलवे, बस, हवाई यात्रा आदि घटकों से प्रभावित है।

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं : संजय पांडे

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर

कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक, संजय पांडे ने बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन, राजीव अरोड़ा ने बताया कि अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है।

एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औद्योगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। पर्यटन उद्योग अन्य क्षेत्रों पर निर्भर उद्योग है, यह रेलवे, बस, हवाई यात्रा आदि घटकों से प्रभावित है। इस कारण इसका एक स्वतंत्र इकाई के रूप में बने रहना असंभव है। सरकार को इसे एक उद्योग के रूप में मान्यता देते हुए उसे वहीं लाभ और सुविधायें प्रदान करनी चाहिये जोकि एक उद्योग को दी जाती है।

यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोपड़ा ने कहा कि, सभी उद्योगों की तुलना में यात्रा व पर्यटन उद्योग सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र साबित हुआ है। इसके बावजुद राज्य व केन्द्र सरकार से इसे अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो पाया है। भविष्य को लेकर हमें अभी से काम करना होगा और इनसे घरेलु पर्यटकों को आकर्षित करना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिये। नई आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य पर अधिक जोर, सेफ्टी और हाईज़ीन, वैल्यू फॉर मनी आदि पर काम करना और विकसित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिये।

नीमराना होटल्स के फाउंडर और चेयरमैन, अमन नाथ ने अपने संबोधन में यात्रा प्रतिबंधों में ढील दिए जाने का उल्लेख किया है और बताया कि लॉकडॉउन मे राहत देने के साथ लोग अपने घरों से बाहर निकलना शुरू हो गये है और होटल्स को विभिन्न नियमों और आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षा को प्राथमिकता देनी है। उनके अनुसार पर्यटक उद्योग एक इकाई के रूप में वापस पूर्व रूप में आने को लेकर संघर्षशील है इसके लिए होटल्स को लागत में कमी के साथ ग्राहकों को तमाम सुविधाये उपलब्ध कराने में आकर्षित करना है।

ट्रांस होटल्स के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, वीर विजय सिंह ने कहा कि, राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रगतिशील राज्य रहा है। राज्य के ऐतिहासिक धरोहरों-पर्यटन स्थलों को राज्य सरकार की विविध नीतियों और निम्न टैक्स दरों का लाभ मिलता रहा है। वर्तमान कोविड़ के चुनौतीपूर्ण समय में सरकार की तरफसे इस क्षेत्र को अधिक सकारात्मक और विकासशील नीतियों की आवश्यकता है। इसके साथ ही हमारा लक्ष्य अब विदेशी पर्यटकों के स्थान पर स्थानीय पर्यटकों पर होना चाहिये। आगामी एक वर्ष तक विदेशी पर्यटकों की स्थिती सामान्य होती नजर आ रही है। इसी तरह हमारे देश के लगभग 24 लाख भारतीय विदेश यात्रा करते है।

Dainik Badhta Rajasthan

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज़्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है।

पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब बदलते समय में पर्यटन के लेकर लोगो की प्राथमिकताएं भी बदल गयी है। अब लोग वेलनेस को प्राथमिकता देने के साथ भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर वहां जाना पसंद कर रहे है जहां वे स्थानीय भोजन और संस्कृति का आनंद ले सके। उन्होंने भविष्य के प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख कारकों -सुरक्षा, स्वास्थ्य, साफसफाई, ब्रांड वैल्यू और वैल्यू फॉर मनी पर जोर देने का आह्वान किया जिससे अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औद्योगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। पर्यटन उद्योग अन्य क्षेत्रों पर निर्भर उद्योग है, यह रेलवे, बस, हवाई यात्रा आदि घटकों से प्रभावित है। इस कारण इसका एक स्वतंत्र इकाई के रूप में बने रहना असंभव है।

यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोपड़ा ने कहा कि, सभी उद्योगों की तुलना में यात्रा व पर्यटन उद्योग सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र साबित हुआ है। इसके बावजुद राज्य व केन्द्र सरकार से इसे अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो पाया है। भविष्य को लेकर हमें अभी से कात करना होगा और इनसे घरेलु पर्यटकों को आकर्षित करना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिये। नई आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य पर अधिक जोर, सेफ्टी और हाईज़ीन, वैल्यू फॉर मनी आदि पर काम करना और विकसित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिये।

नीमराना होटल्स के फाउंडर और चैयरमैन, अमन नाथ ने अपने संबोधन में यात्रा प्रतिबंधों में ढील दिए जाने का उल्लेख किया है और बताया कि लॉकडॉउन मे राहत देने के साथ लोग अपने घरों से बाहर निकलना शुरू हो गये है और होटल्स को विभिन्न नियमों और आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षा को प्राथमिकता देनी है।

ट्रांस होटल्स के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, वीर विजय सिंह ने कहा कि, राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रगतिशील राज्य रहा है। राज्य के ऐतिहासिक धरोहरों-पर्यटन स्थलों को राज्य सरकार की विविध नीतियों और निम्न टैक्स दरों का लाभ मिलता रहा है। वर्तमान कोविड़ के चुनौतीपूर्ण समय में सरकार की तरफ से इस क्षेत्र को अधिक सकारात्मक और विकासशील नीतियों की आवश्यकता है। इसके साथ ही हमारा लक्ष्य अब विदेशी पर्यटकों के स्थान पर स्थानीय पर्यटकों पर होना चाहिये। आगामी एक वर्ष तक विदेशी पर्यटकों की स्थिती सामान्य होती नजर आ रही है।

फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चैयरमैन और मंडावा होटल्स के सीएमडी, रणधीर विक्रम सिंह ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, इस महामारी के कारण पर्यटन उद्योग के लिए रिकवरी की राह धीमी और लंबी है। उद्योग को अपने पुनरुद्धार के लिए दो रणनीतियां बनानी चाहिए।

यूनेस्को के डायरेक्टर एरिक फॉल्ट ने बताया कि, भारत में पर्यटन बड़े पैमाने में रोजगार प्रदान करने वाले क्षेत्र के साथ-साथ तेजी से बढ़ते उद्योग के रूप में भी विकसित रहा है। भारतीय पर्यटन क्षेत्र न केवल आतिथ्य और यात्रा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करता है बल्कि यह कलाकारों और छोटे व्यवसायियों की आजीविका का भी साधन रहा है। वर्तमान में महामारी के चलते राजस्थान के पर्यटन उद्योग को विकट चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः इस संबंध में आज के कार्यक्रम की थीम का विषय प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है। पिछले वर्ष राज्य सरकार के पर्यटन विभाग और यूनेस्को की भागीदारी ने संस्कृति और विरासत को सहजने और विकास करने हेतु विविध पहल की शुरूआत की थी।

Dainik Bhor

पिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफ टूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

जयपुर । कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक, संजय पांडे ने बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है। आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औद्योगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। पर्यटन उद्योग अन्य क्षेत्रों पर निर्भर उद्योग है, यह रेलवे, बस, हवाई यात्रा आदि घटकों से प्रभावित है। इस कारण इसका एक स्वतंत्र इकाई के रूप में बने रहना असंभव है। सरकार को इसे एक उद्योग के रूप में मान्यता देते हुए उसे वहीं लाभ और सुविधायें प्रदान करनी चाहिये जोकि

एक उद्योग को दी जाती है। यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोपड़ा ने कहा कि, सभी उद्योगों की तुलना में यात्रा व पर्यटन उद्योग सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र साबित हुआ है। इसके बावजुद राज्य व केन्द्र सरकार से इसे अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो पाया है। भविष्य को लेकर हमें अभी से काम करना होगा और इनसे घरेलु पर्यटकों को आकर्षित करना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिये। नई आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य पर अधिक जोर, सेफ्टी और हाईज़ीन, वैल्यू फॉर मनी आदि पर काम करना और विकसित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिये। नीमराना होटल्स के फाउंडर और चैयरमैन, अमन नाथ ने अपने संबोधन में यात्रा प्रतिबंधों में ढील दिए जाने का उल्लेख किया है और बताया कि लॉकडॉउन मे राहत देने के साथ लोग अपने घरों से बाहर निकलना शुरू हो गये है और होटल्स को विभिन्न नियमों और आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षा को प्राथमिकता देनी है। उनके अनुसार पर्यटक उद्योग एक इकाई के रूप में वापस पूर्व रूप में आने को लेकर संघर्षशील है इसके लिए होटल्स को लागत में कमी के साथ ग्राहकों को तमाम सुविधाये उपलब्ध कराने में आकर्षित करना है। ट्रांस होटल्स के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, वीर विजय सिंह ने कहा कि, राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रगतिशील राज्य रहा है। राज्य के ऐतिहासिक धरोहरों-पर्यटन स्थलों को राज्य सरकार की विविध नीतियों और निम्न टैक्स दरों का लाभ मिलता रहा है। वर्तमान कोविड़ के चुनौतीपूर्ण समय में सरकार की तरफ से इस क्षेत्र को अधिक सकारात्मक और विकासशील नीतियों की आवश्यकता है। इसके साथ ही हमारा लक्ष्य अब विदेशी पर्यटकों के स्थान पर स्थानीय पर्यटकों पर होना चाहिये। आगामी एक वर्ष तक विदेशी पर्यटकों की स्थिती सामान्य होती नजर आ रही है। इसी तरह हमारे देश के लगभग 24 लाख भारतीय विदेश यात्रा करते है। अतः हमारा लक्ष्य इन भारतीय पर्यटकों को राजस्थान और देश के अन्य राज्यों में आकर्षित करना होना चाहिये। उन्होनें होटल्स में अपनी लागत में कमी करने का भी आह्वान किया है।

Dainik Jalte Deep

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं : पांडे

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज़्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है।पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

Dainik Jan Nayak

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प : संजय पांडे

जयपुर, 27 सितंबर (कासं)

कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने व विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज़्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है। पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है।

Hindustan Express

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध

उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज़्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है।

Jagruk Times

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए सरकार कृत संकल्प हैं : पांडे

जयपुर। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई

पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उघोग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है। आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य के प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख कारकों -सुरक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई, ब्रांड वैल्यू और वैल्यू फॉर मनी पर जोर देने का आह्वान किया जिससे अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

Jaipur Times

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब

पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज़्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है।

पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है।

आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब बदलते समय में पर्यटन के लेकर लोगो की प्राथमिकताएं भी बदल गयी है। अब लोग वेलनेस को प्राथमिकता देने के साथ भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर वहां जाना पसंद कर रहे है जहां वे स्थानीय भोजन और संस्कृति का आनंद ले सके। उन्होंने भविष्य के प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख कारकों -सुरक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई, ब्रांड वैल्यू और वैल्यू फॉर मनी पर जोर देने का आह्वान किया जिससे अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औधोगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा।

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं: संजय पांडे

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म पर वेबिनार आयोजित

खबरों की दुनिया

जयपुर। कोरोना महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, रविवार को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफट्यूरिज्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुए बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिए कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिए विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुए नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज्म जोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज्म पर भी केन्द्रित है। पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है।

आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टेन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि पर्यटन को एक औद्योगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोपड़ा ने कहा कि, सभी उद्योगों की तुलना में यात्रा व पर्यटन उद्योग सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र साबित हुआ है। इसके बावजूद राज्य व केन्द्र सरकार से इसे अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो पाया है। भविष्य को लेकर हमें अभी से कात करना होगा और इनसे घरेलु पर्यटकों को आकर्षित करना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में, एचआरएआर और आरएटीओ के प्रेसीडेंट, कुलदीप सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया तथा सरकार से बिजली शुल्क और बार लाइसेंस शुल्क में तत्काल राहत के लिए सरकार से अनुरोध किया क्योंकि पिछले 7 महीनों में कोई व्यवसाय नहीं हुआ है।

Mahanagar Times

विश्व पर्यटन दिवस पर कॉम्पीटिशन के विजेताओं की घोषणा

कला में होता है थेराप्यूटिक-हीलिंग टच : मुग्धा सिन्हा

महानगर संवाददाता

जयपुर। कला में थेराप्यूटिक और हीलिंग टच होता है। संक्रमण के दौर में समाज पर पड़ रहे वित्तीय प्रभाव के कारण कलाकारों और स्मारकों को सपोर्ट की आवश्यकता होगी।

ये ऐसा समय है जब लोगों में मानवता को जीवित और विचारशील रखने के लिए कला की आवश्यकता होगी। यह विचार कला तथा संस्कृति विभाग की शासन सचिव मुग्धा सिन्हा ने रविवार को विश्व पर्यटन दिवस पर पब्लिक आर्ट पर इंटरेक्टिव टॉक सेशन में कहे। कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर डिजाइन एक्सीलेंस, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, कला एवं संस्कृति, पुरातत्व, संग्रहालय विभाग और जेकेके के सहयोग से किया गया। सेशन का संचालन सेंटर फॉर डिजाइन सेंटर हेड विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी एआर श्वेता चौधरी ने किया। इस अवसर पर कलाकार युनूस खिमानी ने कहा कि कला मुख्यत म्यूजियम और गैलेरीज में स्थित है। ये वे स्थान हैं, जहां कभी-कभी आम जनता जाने से हिचकिचाती है। आर्किटेक्ट फोटोग्रापुर शिक्षक और कलाकार एआर. हेमांगी कडू ने कहा कि पब्लिक आर्ट के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने और प्रतिबंधात्मक धारणाओं को तोड़ने की आवश्यकता है। इस अवसर पर अवसर पर राइटिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नामों की घोषणा की गई। इनमें प्रथम पुरस्कार विजेता जोधपुर की कविता शर्मा, द्वितीय पुरस्कार जयपुर के जयेश चौधरी को और तृतीय पुरस्कार जोधपुर की सुषमा रामदेव को मिला। सांत्वना पुरस्कार चेन्नई की डॉ. नियति अय्यर को मिला।

पर्यटन दिवस पर वेबिनार

विश्व पर्यटन दिवस पर रविवार को फिक्की और पर्यटन विभाग की ओर से फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म थीम पर वेबिनार का आयोजन किया गया। पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने कहा कि सरकार पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति देने और विश्वास पैदा करने के लिए आवश्यक उपाय करने होंगे। आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने कहा कि कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय प्रभावित है। बदलते समय को देखते हुए लोगों को वेलनेस को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर सबीना चौपड़ा, फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चेयरमैन और मंडावा होटल्स के सीएमडी, रणधीर विक्रम सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण के चलते पर्यटक नहीं आने से पिछले 7 महीनों में कोई व्यवसाय नहीं हुआ है। स्थिति यह है कि होटल मालिकों के बिजली शुल्क और बार लाइसेंस शुल्क में तत्काल देने की सरकार से मांग भी की।

ऑनलाइन लर्निंग क्लास में मॉन्यूमेंट्स की आर्किटेक्चरल ड्रॉइंग के गुर सीखे

विश्व पर्यटन दिवस पर रविवार को जेकेके के फेसबुक पेज पर आर्किटेक्चरल ड्रॉइंग ऑफ मॉन्यूमेंट्स पर ऑनलाइन लर्निंग क्लास का आयोजन किया गया। इस क्लास का संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन के असिस्टेंट प्रोफेसर शुवांकर बिस्वास ने किया। क्लास के दौरान, दर्शकों ने बिल्डिंग और मॉन्यूमेंट्स की आर्किटेक्चरल ड्रॉइंग की तकनीकों और टूल्स के बारे में सीखा। इस अवसर पर कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि राजस्थान की कला, संस्कृति, पुरातत्व और इतिहास ने पर्यटकों को हमेशा राज्य की ओर आकर्षित किया है। आज हम भविष्य की पीढ़ियों और पर्यटकों के लिए राज्य की विरासत को बचाने, सुशोभित और संरक्षित करने का संकल्प लें।

Morning News

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प : संजय पांडे

'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म पर वेबिनार आयोजित

जयपुर (कासं)। कोविड-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया। अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उघोग के समर्थन में रही है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज्म जोन की स्थापना की गई है।

लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है। आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन राजीव अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। अब बदलते समय में पर्यटन के लेकर लोगो की प्राथमिकताएं भी बदल गयी है। अब लोग वेलनेस को प्राथमिकता देने के साथ भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर वहां जाना पसंद कर रहे है।

एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औघोगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोंपड़ा ने कहा कि शादियों के लिए राजस्थान, अन्य राज्यों की तुलना में जैसे दिल्ली, गुजरात, पंजाब और हरियाणा से सस्ता व आसान है और इसलिए इन बाजारों को फिर से विकसित करने के लिए होटल्स को आकर्षक पैकेज के साथ आगे आना चाहिए। फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चैयरमैन और मंडावा होटल्स के सीएमडी रणधीर विक्रम सिंह ने वेबिनार को संबोधित करते हुये उद्योग को अपने पुनरुद्धार के लिए दो रणनीतियां बनानी चाहिए।

Samachar Jagat

फिक्की ने की 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म' पर वेबिनार

जयपुर (समाचार जगत न्यूज)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक, संजय पांडे , आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, राजीव अरोड़ा , एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ , यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोपड़ा , नीमराना होटल्स के फाउंडर और चैयरमैन, अमन नाथ और ट्रांस होटल्स के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, वीर विजय सिंह ने अपने विचार रखे।

The Public Side

Webinar on 'Future of Tourism' held by FICCI Rajasthan State Council and Department of Tourism, Government of Rajasthan

Jaipur. Tourism industry has been most severely affected by the spread of Covid-19. The importance of tourism for the economy of Rajasthan, livelihoods, employment, and entrepreneurship is well known. Government of Rajasthan has recently announced the New Tourism Policy which aims to resurrect the sector and position the State as preferred and safe tourism destination. Against this backdrop, today, on the occasion of World Tourism Day, FICCI, in association with Department of Tourism, Government of Rajasthan organized a webinar on "Future of Tourism" with the theme "Revitalising Tourism for Sustainable Development". Speaking at the virtual event, Sanjay Pande, Additional Director, Tourism Department, Government of Rajasthan said, "Government is entirely in support of the industry and we will take all the necessary measures whatever are required to build confidence in the industry. The government has been proactive right from the beginning since March when the lockdown was announced and various relief measures have been announced since then. He also mentioned that the government on its part has been very active and has seized the opportunity of the pandemic to announce a new tourism policy and it is a very pragmatic and faster in approach. In this, first time in the state, we are having provisions of Special Tourism Zones where all the other state departments will also work to develop and support that area. Due to changing preferences, our focus is now on Experiential tourism as well." Commenting on recovery of the sector he said that momentum is picking up, the numbers have been increasing and even post lockdown we have given approval to more that 50 new tourism project, which involve approx 500 Crores Rupees of investment. While addressing the event, Rajiv Arora, Former Chairman, RTDC & Founder, Amrapali Jewels said, "Tourism business is still on its knees with many cities still under lockdown. With no vaccine in sight, people are still fearful to step outside their home and travel. Mask, social distancing etc. are the new normal now." He also mentioned that the perception of common man for travelling in now changing. They want to go for wellness and avoid crowded places while maintaining social distancing along with the wish to try local taste and culture. According to him, in India, we have to look for nature and wildlife tourism where one feels stress-free and happy. Arora also mentioned about 5 key factors which tourism industry needs to follow are a) Safety both in perception and reality, b) Health checks, c) No compromise on hygiene, d) Brand value and e) Good value for money in order to attract more tourists. Addressing the webinar, Lakshyaraj Singh Mewar, Executive Director, HRH Group of Hotels said, "In these difficult times of pandemic, Tourism as an industry needs to figure out what the problem is and what exactly needs to be done in order to find the right solution. Tourism sector is totally dependent on other things and therefore our survival is getting difficult because of railways, buses, air transport being shut. At the same time, government needs to recognize tourism industry as an industry and provide the benefits that go along with an industry. He also mentioned that gaps in electricity rates, GST, staffing etc. needs to be reduced along with a lot of introspection within our industry."

Uday Today

पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प हैं : संजय पांडे

फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' पर वेबिनार आयोजित

जयपुर (संवाद)।

कोविड़-19 महामारी से पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था, आजीविका, रोजगार और उद्यमिता के लिए पर्यटन का महत्व सर्वविदित है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में नई पर्यटन नीति की घोषणा की है जिसका उद्देश्य इस सेक्टर को फिर से जीवित करना और राज्य को पसंदीदा और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में स्थान देना है। इसी के अंतर्गत, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर फिक्की एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने 'रिवाईटलाजिनिंग ट्यूरिज़्म फॉर सेस्टेनेबल डवलपमेंट' विषय के साथ 'फ्यूचर ऑफ ट्यूरिज़्म' थीम पर एक वेबिनार का आयोजन किया। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री संजय पांडे ने वेबिनार को संबोधित करते हुये बताया कि, राज्य सरकार पूरी तरह से पर्यटन उद्योग के समर्थन में रही है। हमें पर्यटन जगत को गति प्रदान करने और विश्वास पैदा करने के लिये सभी आवश्यक उपाय करने के लिये कृत संकल्प है। मार्च की शुरूआत में जब पहली बार लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, उस शुरूआती समय से हमने पर्यटन उद्योग को राहत पहुंचाने के लिये विविध उपाय किये है। महामारी के दौरान हमने इस क्षेत्र के तेजी से विकास को लक्षित करते हुये नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। इस नीति के तहत पहली बार राज्य में स्पेशल ट्यूरिज़्म ज़ोन की स्थापना की गई है, जिसके विकास में राज्य के अन्य सरकारी विभाग भी कार्य और सहयोग करेंगें। ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप हमारा लक्ष्य अब एक्सपीरियंस ट्यूरिज़्म पर भी केन्द्रीत है। पर्यटन क्षेत्र के पटरी पर लौटने के संबंध में उन्होंने बताया कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। लॉकडाउन के पश्चात् हमने 50 नये पर्यटन संबंधित प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी है जिसमें लगभग 500 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है। आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन, श्री राजीव

अरोड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि, अभी भी कई शहरों में लॉकडाउन के चलते पर्यटन व्यवसाय काफी मुश्किल में है। कोरोना वायरस के वैक्सीन के ईजाद नहीं होने के कारण, लोग अभी भी अपने घर के बाहर कदम रखने और यात्रा करने से डर रहे हैं, मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग समय की आवश्यकता है। इन सब के चलते पर्यटन उद्योग सामान्य नहीं हो पा रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब बदलते समय में पर्यटन के लेकर लोगो की प्राथमिकताएं भी बदल गयी है। अब लोग वेलनेस को प्राथमिकता देने के साथ भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर वहां जाना पसंद कर रहे है जहां वे स्थानीय भोजन और संस्कृति का आनंद ले सके। उन्होंने भविष्य के प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख कारकों -सुरक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई, ब्रांड वैल्यू और वैल्यू फॉर मनी पर जोर देने का आह्वान किया जिससे अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बताया कि, पर्यटन को एक औद्योगिक इकाई के रूप में वर्तमान की चुनौतियों और सही समाधान के रूप में सोचना और कार्य करना होगा। पर्यटन उद्योग अन्य क्षेत्रों पर निर्भर उद्योग है, यह रेलवे, बस, हवाई यात्रा आदि घटकों से प्रभावित है। इस कारण इसका एक स्वतंत्र इकाई के रूप में बने रहना असंभव है। सरकार को इसे एक उद्योग के रूप में मान्यता देते हुए उसे वहीं लाभ और सुविधायें प्रदान करनी चाहिये जोकि एक उद्योग को दी जाती है। उन्होंने पर्यटन उद्योग को आंतरिक सुधारों पर काम करने के आह्वान के साथ-साथ बिजली के बिल, जीएसटी आदि विषयों में भी राहत दिये जाने पर जोर दिया। यात्रा ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड की को-फाउंडर, सबीना चोपड़ा ने कहा कि, सभी उद्योगों की तुलना में यात्रा व पर्यटन उद्योग सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र साबित हुआ है। इसके बावजुद राज्य व केन्द्र सरकार से इसे अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो पाया है। भविष्य को लेकर हमें अभी से कात करना होगा और इनसे घरेलु पर्यटकों को आकर्षित करना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिये। नई आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य पर अधिक जोर, सेफ्टी और हाईजीन, वैल्यू फॉर मनी आदि पर काम करना और विकसित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिये। उन्होंने बताया कि शादियों के लिए राजस्थान, अन्य राज्यों की तुलना में जैसे दिल्ली, गुजरात, पंजाब और हरियाणा से सस्ता व आसान है और इसलिए इन बाजारों को फिर से विकसित करने के लिए होटल्स को आकर्षक पैकेज के साथ आगे आना चाहिए। नीमराना होटल्स के फाउंडर और चैयरमैन, श्री अमन नाथ ने अपने संबोधन में यात्रा प्रतिबंधों में ढील दिए जाने का उल्लेख किया है और बताया कि लॉकडॉउन मे राहत देने के साथ लोग अपने घरों से बाहर निकलना शुरू हो गये है और होटल्स को विभिन्न नियमों और आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षा को प्राथमिकता देनी है। उनके अनुसार पर्यटक उद्योग एक इकाई के रूप में वापस पूर्व रूप में आने को लेकर संघर्षशील है इसके लिए होटल्स को लागत में कमी के साथ ग्राहकों को तमाम सुविधाये उपलब्ध कराने में आकर्षित करना है।

Online Coverage

https://newshubonline.com/government-is-proactive-to-support-tourism-sector-sanjay-pande/

http://www.newbusinessdaily.com/webinar-on-future-of-tourism-held-by-ficci-rajasthan-state-council-and-department-of-tourism-government-of-rajasthan/

https://telegraphonline.net/ficci-rajasthan-organises-webinar-on-future-of-tourism/

https://factreport.net/government-is-proactive-to-support-tourism-sector-sanjay-pande/

https://www.geonews.in/government-is-proactive-to-support-tourism-sector-sanjay-pande/

https://heraldbeat.com/government-is-proactive-to-support-tourism-sector-sanjay-pande/

https://www.easypresswire.com/release/8459-webinar-on-future-of-tourism-held-by-ficci-rajasthan-state-council-and-department-of-tourism-government-of-rajasthan.html

https://www.khaskhabar.com/local/rajasthan/jaipur-news/news-the-state-government-is-determined-to-develop-the-tourism-sector---sanjay-pandey-news-hindi-1-453555-KKN.html